माता–पिता नोट करें!

❖ अपने आपको नुकसान पहुँचाने वाले व्यवहार को अनदेखा न करें ।

❖ स्वलीनता से ग्रस्त कई बचों के भोज्य पदार्थ सीमित होते हैं और नए भोज्य पदार्थ आजमाने से इंकार कर देते हैं । आहार बदलने के लिए व्यवहारगत पद्धति सबसे अधिक प्रभावी होती हैं। बचों के भोज्य पदार्थों की रेंज बढ़ाने की कोई भी योजना व्यवस्थित तरीके से लागू करनी चाहिए ।

❖ स्वलीनता से ग्रस्त कई बचों में न्यूरोकेमिकल और जैविक कारणों की वजह से नींद की समस्या होती है। व्यवस्थित योजना से इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है ।

❖ स्वलीनता से ग्रस्त कई बचों को शौच आदि करने के तौर–तरीकों के बारे में प्रशिक्षित करने में मुश्किलें आती हैं । भांति–भांति के वास्तविक पुरस्कारों के साथ समुचित प्रशिक्षण देने से मदद मिलती है ।

❖ स्वलीनता से ग्रस्त कुछ बचे कुछ विशेष प्रकार के कपड़ों, जिप्परों, बटनों अत्यधिक सख्त या अत्यधिक ढीली वस्तुओं की अनुभूति के प्रति प्रतिरोध करते हैं ।

वह संस्थान जो बहुल निःशक्तताओं से ग्रस्त व्यक्तियों की ज़रूरतें पूरी करता है ।

स्वलीनता से ग्रस्त प्रत्येक बचा अलग होता है। लोकाचार को समझने में प्रत्येक की अपने ख़ास तरह की समस्याएँ होती है । अधिकतर को पूरी तरह से प्रभावी तरीके से अपनी बात कहने में कठिनाई होती है। इसकी संभावना है कि कोई भी एक तरीका किसी ख़ास बचे के लिए सर्वश्रेष्ठ न हो। ऐसे कई तरीके हैं जिन्हें अपना कर काम किया जा सकता है।

कई माता–पिता, चिकित्सक, शिक्षक और थेरेपिस्ट इस बात पर सहमत होंगे कि स्वलीनता के उपचार के बारे में जितना अधिक जानेंगे उनके बारे में उतनी ही अधिक समानताओं के बजाय भिन्नताएं प्रतीत होंगी ।

अधिक जानकारी के लिए आप लॉग–ऑन कर सकते हैं:–

www.autism-india.org
www.autism.org
www.autismindia.com
www.autism_pdd.net
www.autism-socity.org
www.autismpeaks. org
www.autism.com
www.nas.org.uk
www.autism-resources.com

NIEPMD

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(निःशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities

(Department of Disabilities Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

स्वलीनता

AUTISM

SCAN QR CODE TO DOWNLOAD BROCHURE

NIEPMD

राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्ति अधिकारिता संस्थान

(निःशक्तता कार्य विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार)

National Institute for Empowerment of Persons with Multiple Disabilities

(Department of Disabilities Affairs, Ministry of Social Justice & Empowerment, Govt. of India)

ईस्ट कोस्ट रोड, मुत्तूकाडु, कोवलम (पोस्ट ऑफ़िस),
चेन्नई – 603112, तमिलनाडु
फ़ोन: 044–27472113, 27472046 फैक्स: 044–27472389
वेबसाइट: www.niepmd.tn.nic.in ई–मेल: niepmd@gmail.com
कार्य अवधि : सोमवार से शुक्रवार
(सुबह 9.00 से शाम 5.30 बजे)
अवकाश: शनिवार, रविवार और केन्द्र सरकार की सभी छुट्टियाँ

बहुविकलांग लोगों के सुलभ उपयोग हेतु वेबसाइट तैयार करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2011) और बहुविकलांग लोगों हेतु बाधारहित भवन बनाने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2012) प्राप्त संस्था ।

स्वलीनता का वास्तव में क्या अर्थ है ?

स्वलीनता (आत्मविमोह) एक ऐसी विकासपरक निःशक्तता को कहते हैं जिसके परिणामस्वरूप बच्चे का असामान्य कौशलात्मक विकास होता है। इसमें मुख्य तौर पर बच्चे की सम्प्रेषण एवं सामाजिक योग्यताओं पर असर पड़ता है।

स्वलीनता की व्यापकता दर क्या है?

संयुक्त राज्य अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं निवारण केंद्र (सीडीसी) के अनुसार अमेरिका में जन्मे 166 में से 1 बच्चा कहीं न कहीं स्वलीनता से ग्रस्त होता है ।

लड़कियों की तुलना में लड़कों में स्वलीनता चार से पांच गुणा अधिक होती है। दूसरी ओर जानपदिक रोग-विज्ञान से जुड़ा तथ्य यह है कि स्वलीनता के पूरे लक्षण कुछ सीमा तक मानसिक मंदता के साथ देखने को मिलते हैं ।

भारत में लगभग 20 लाख लोग यानि 10000 में 20 व्यक्ति स्वलीनता की परिधि में आते हैं ।

स्वलीनता किन-किन कारणों से होता है ?

स्वलीनता के निश्चित कारण अभी तक ज्ञात नही हैं । कुछ प्रमाण यह प्रदर्शित करते हैं कि दोषपूर्ण जीन इस प्रकार की स्थिति का कारण हो सकते है । दोषपूर्ण जीन वंशानुगत हो सकते हैं तथा जिन बालकों के भाई/बहन स्वलीनता से ग्रस्त होते हैं, उन बालकों में स्वलीनता को संभावना सामान्य से अधिक होती है ।

कुछ अनुसंधान वातावरणीय कारकों जैसे प्रदूषण तथा विषाणु (जर्मन मीसल्स) आदि को स्वलीनता का कारण मानते हैं । माता पिता द्वारा गर्भावस्था में किये गये किसी भी कार्य से एवं प्रसवोपरान्त स्वलीनता होने के प्रमाण नहीं है ।

कुछ शोध अध्ययनों में स्वलीनता के कारणों के लिए कुछ अन्य पर्यावरणीय कारकों का उल्लेख किया है। ये निम्नलिखित हैं :-

- बच्चों की टीकों में मौजूद थेमिरीसोल (पारा आधारित परिरक्षक)
- माँ द्वारा मुंह से खाए जानेवाले एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक इस्तेमाल
- माँ का पारे से संपर्क होना
- माँ द्वारा लिए गए आहार में खनिज पदार्थों की कमी होना
- माँ का कीटनाशकों और अन्य पर्यावरणीय विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आना ।

हम यह कैसे जानते हैं कि बच्चा स्वलीनता से ग्रस्त है?

- रोशनी को टकटकी लगा कर देखना
- अलग-अलग रहना (दूसरे लोगों से नहीं मिलना)
- आँखों के सामने अंगुलियाँ घुमाना
- हाथों को थपथपाना
- मुंह से अटपटी आवाज़ें निकालना
- वस्तुओं को त्वचा से रगड़ना
- हिलना-डुलना
- वस्तुओं को चाटना
- वस्तुओं को सूंघना
- लोगों को स्पर्श कर महसूस करना
- जो भी कहा गया हो उसे बारम्बार दोहराना
- दैनिक क्रियाकलापों में एकरूपता पर ज़ोर देना
- ख़राब समप्रेषण कौशल
- एक वस्तु/खिलौने से बहुत लम्बे समय तक खेलना
- वस्तुओं को घुमाने-फिराने की सनक
- आँखों से आँखें न मिलाने
- अधिक समय तक ध्यान केन्दित नहीं करना
- आवाज़ के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होना।

क्या व्यक्तियों के लिए कुछ किया जा सकता है और अगर हाँ तो कैसे?

स्वलीनता के मौजूद होने की पुष्टि करने के लिए व्यावसायिकों की एक टीम, जो क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, आक्यूपेशनल थेरेपिस्ट, वाणी एवं भाषा पैथोलोजिस्ट और स्पीच एडुकेटर (शिक्षक) से बनी हो, द्वारा समेकित मूल्यांकन करवाया जाए ।

क्या स्वलीनता से ग्रस्त व्यक्ति में सुधार हो सकता है?

चूँकि, विभिन्न दर्शनग्राही दृष्टिकोणों से हस्तक्षेप किया जाता है इसलिए, ऑटिज़्म से ग्रस्त व्यक्ति में सुधार लाया जा सकता है और उनके जीवनशैली बेहतर की जा सकती है ।

हस्तक्षेप के विभिन्न दर्शनग्राही की गुणवत्ता क्या होती हैं?

विभिन्न दर्शनग्राही दृष्टिकोण विभिन्न धारणाओं पर आधारित दृष्टिकोणों का समन्वित दृष्टिकोण होता है ।

कौन-कौन से विभिन्न प्रकार के दृष्टिकोण होते हैं ?

- संवेदी एकीकरण (तीन इंद्रियों यानि वेस्टिब्यूलर, स्पर्शीय और प्रोप्रायोसेप्शन पर मुख्यतया ध्यान दिया जाता है) ।
- श्रवण एकीकरण (इसमें प्रोसेस्ड म्यूज़िक सुनाया जाता है ।)
- व्यवस्थित शिक्षा (शिड्यूलों एवं कार्यक्रमों का आयोजन करना, बनाना, अपेक्षाओं को सुस्पष्ट करना)
- व्यवहारगत बदलाव लाना (इसमें आचरण की छोटी-छोटी, अवलोकन कर सकने योग्य बातों पर व्यवस्थित तरीके से ध्यान दिया जाता है ।

NIEPMD में स्वलीनता के लिए क्या-क्या सेवाएँ उपलब्ध हैं?

- मानकीकृत परीक्षणों (CARS, CHAT, DBC, GARS) के जरिए योग्यताप्राप्त व्यावसायिकों द्वारा विस्तृत आकलन
- संवेदी एकीकरण चिकित्सा
- वाणी, भाषा एवं सम्प्रेषण चिकित्सा
- विशेष शिक्षण के माध्यम से व्यवस्थित शिक्षा
- व्यवहारगत बदलाव कार्यक्रम
- पैरेंटल (माता-पिता) काउंसलिंग और प्रशिक्षण